YOUNG INDIA > YOUNG PAPER

NBT

नवभारत टाइम्स

कानपुर (कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित) › बुधवार, 8 जुलाई 2020 › आषाढ़ 17 शक संवत 1942 श्रावण कृष्ण तृतीया विक्रम संवत 2077 www.navbharatgold.com पेज 12 › मूल्य सिर्फ 4.00 रु.

अब यीडा सिटी में बनेंगे मेट्रो कोच

कुछ औपचारिकताएं पूरी करने के बाद कंपनी को दे दिया जाएगा जमीन का पजेशन

■ विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

यमुना अथॉरिटी एरिया में उत्तर प्रदेश की पहली मेट्रो कोच बनाने वाली कंपनी लगेगी। यमुना अथॉरिटी ने कंपनी के लिए 20 एकड़ जमीन चिह्नित कर दी है। कंपनी यहां 1200 करोड़ रुपये का निवेश कर यमुना अथॉरिटी के सेक्टर 32 में अपना कारखाना लगाएगी। उसके बाद देशभर में चल रही मेट्रो परियोजनाओं के लिए यहां बने कोच सप्लाई हो सकेंगे। इसके साथ ही कई वेंडर कंपनियां भी यहां लगेंगी। इससे करीब 25 हजार को रोजगार मिलेगा। औपचरिकताएं पूरी करने के बाद जल्द ही कंपनी को जमीन का आवंटन होगा।

यमुना अथॉरिटी में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इंडस्ट्री के प्लॉट के आवंटन की प्रक्रिया की गई

> कंपनी ने रजिस्ट्रेशन मनी जमा करके जमीन आवंटन कराने के लिए आवेदन कर दिया है। मंगलवार को कंपनी से बात भी हुई है। कुछ औपचारिकताओं के बाद उन्हें यहां मेट्रो कोच बनाने की फैक्ट्री लगाने के लिए जमीन आवंटित कर दी जाएगी। – डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ, यमुना अथॉरिटी

स्टील के कोच बनाएगी कंपनी

ग्रेनो में पहले से चल रही एक कंपनी अब मेट्रो कोच बनाने के उद्योग में उतर रही है। इससे पहले यह मेट्रो और भारतीय रेल से संबंधित उपकरण बना रही थी। एक विदेशी कंपनी के साथ जॉइंट वेंचर में यह स्टील के मेट्रो कोच बनाएगी। यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि कंपनी ने यमुना अथॉरिटी एरिया में मेट्रो कोच फैक्ट्री लगाने के लिए 20 एकड़ जमीन मांगी है। कंपनी ने रजिस्ट्रेशन मनी जमा कर दी है। मंगलवार को कंपनी से विडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर बात भी हुई है। कुछ औपचारिकताएं शेष हैं। उन्हें पूरा करने के बाद मेट्रो कोच बनाने की फैक्ट्री के लिए जमीन का आवंटन कर दिया जाएगा।

भारतीय रेल को दे रही है सेवा

ये कंपनी यहां जापानी टेक्नॉलजी के आधार पर मेट्रो कोच बनाएगी। यह कंपनी अभी तक भारतीय रेलवे के लिए ओवरहेड, इलेक्ट्रिसिटी केबल, केंटिलिवर, इलेक्ट्रिक प्लग आदि बनाती रही है। इसने मेट्रो के लिए भी देश-विदेश में कई उपकरण बनाकर इंस्टॉल किए हैं। यूपी में अभी तक मेट्रो कोच बनाने का कोई कारखाना नहीं है।

वेंडर कंपनियां भी देंगी रोजगार

इस कंपनी के आने से कई और छोटी-बड़ी कंपनियां भी यहां निवेश करेंगी। कई वेंडर कंपनियां लगेंगी, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार जनरेट होंगे। यमुना एरिया में जेवर के पास हवाई अड्डे का निर्माण भी होना है। यह एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया का 5वां सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा। अगले 10 साल में जेवर एयरपोर्ट के आसपास 5 लाख करोड़ रुपये का निवेश मिलने की उम्मीद है।

20 एकड़ जमीन चिह्नित कर दी गई है कंपनी के लिए

25 हजार के करीब लोगों को इससे मिलेगा रोजगार

1200 करोड़ का निवेश करके सेक्टर 32 में बनाएगी कारखाना

मेक इन इंडिया का हिस्सा

अधिकारियों के अनुसार मेट्रो कोच का निर्माण मेक इन इंडिया की तर्ज पर होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मेक इन इंडिया को लगातार प्रमोट कर रहे हैं। ऐसे में आत्मनिर्भरता अभियान को भी गति मिलेगी। ग्रेटर नोएडा में एक्वा लाइन मेट्रो के लिए चीन से कोच मंगाए गए थे। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यीडा सिटी के बने कोच देशभर की मेट्रो परियोजनाओं में दौड़ते दिख जाएं। इन दिनों देश भर में मेट्रो का जाल बिछाया जा रहा है। एनसीआर में बड़ी संख्या में मेट्रो कॉरिडोर बनाने की परियोजनाएं चल रही हैं तो कोच की भारी डिमांड है।

स्किल सेंटर के लिए करार, मिलेंगे एक्सपर्ट कामगार

■ **विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा :** यीडा सिटी में प्रस्तावित स्किल सेंटर बनाने के लिए मंगलवार को यमुना अथॉरिटी ने व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के साथ एमओयू कर दिया। सेंटर के लिए अथॉरिटी ने अपने सेक्टर 33 में 8704 वर्ग मीटर जमीन मुफ्त दी है। ये यूपी का इस तरह का पहला स्किल सेंटर होगा, जिसमें कंपनी की जरूरतों के आधार पर युवाओं को ट्रेनिंग दी जाएगी।

10 साल में 5 लाख को रोजगार: अथॉरिटी दफ्तर में मंगलवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रिंसिपल मनोज सिंह और यमुना अथॉरिटी की ओर से जीएम परियोजना केके सिंह ने सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर किए। डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि यीडा सिटी में बड़ी संख्या में कंपनियां अपने उद्योग लगाने जा रही हैं। आने वाले दस सालों में यहां 5 लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिलना है। लिहाजा यहां बड़ी संख्या में ट्रेंड कामगारों की जरूरत पड़ेगी।

सेंटर के लिए 8704 वर्ग मीटर जमीन मुफ्त दी है

रिसर्च सेंटर भी होगा यहां: इसको देखते हुए यीडा सिटी के इंडस्ट्रियल एरिया में ही स्किल डिवेलपमेंट सेंटर बनाए जाएगा। इसमें डिप्लोमा और स्नातक पाठ्यक्रम शुरू होंगे। यह एक रिसर्च सेंटर भी होगा। यहां से स्टार्टअप व एंटरप्रेन्योर भी निकलेंगे। इस यूनिवर्सिटी में स्थानीय से लेकर देशभर के युवा इनमें ट्रेनिंग ले सकेंगे। उम्मीद है कि कंपनियों को उनके मुताबिक मानव संसाधन उपलब्ध कराने के लिए यह योजना कारगर साबित होगी।

गारमेंट उद्योग के लिए 4 कंपनियों को जमीन दी

■ **विशेष संवाददाता, ग्रेटर नोएडा :** यीडा सिटी में गारमेंट उद्योग लगाने के लिए यमुना अथॉरिटी ने मंगलवार को चार कंपनियों को जमीन का आवंटन किया। ये कंपनियां अपैरल क्लस्टर में लगेंगी और 1600 लोगों को रोजगार मिलेगा। वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रॉडक्ट योजना के तहत यूपी सरकार ने गौतमबुद्धनगर को गारमेंट उद्योग के लिए ही चुना है। अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह और अन्य अधिकारियों ने मंगलवार को विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्यमियों का इंटरव्यू लिया। इस दौरान अपैरल क्लस्टर में चार कंपनियों ने अपना प्रेजेंटेशन दिया।

1600 से ज्यादा लोगों को मिलेगा रोजगार

3 साल में लगाने होंगे उद्योग: प्रेजेंटेशन और इंटरव्यू के बाद चारों कंपनियों अलका एंटरप्राइजेज, श्रीहंस एंटरप्राइजेज, होम फैशनसंस और सीआरवी इम्पैक्स को जमीन आवंटित की गई। इन कंपनियों को कुल 1.25 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। इससे यमुना एरिया में 17.52 करोड़ रुपये का निवेश होगा और 1600 लोगों को रोजगार मिल सकेगा। इन कंपनियों को तीन साल में अपने उद्योग लगाने होंगे।